www.batterybusiness.in

वर्ष-1 अंक-5, फरवरी, 2022

# बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

## समाचार • व्यापार • प्रचार • प्रसार

## भारत में लीड-एसिड बैटरी का बाजार, विकास, रुझान और पूर्वानुमान

## हीरो मोटोकॉर्प ने 2W EVs के लिए चार्जिंग इंफ्रा स्थापित करने के लिए BPCL के साथ हाथ मिलाया

## काव्य-आलेख-कहानी

Super Stik
.....चिपका रहे !
Super Stik
SPECIALIZED BATTERY STICKER
KABHI SATH NA CHHODE
STRONG ADHESIVE
Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665

*संकलक-संपादक*
**विनय कुमार भक्त**

***साहित्यिक संपादक मंडल :***
माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना
निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी -पटना
पायल राधा जैन -इटावा, उ.प्र.
मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली
आशुतोष तिवारी -जोधपुर
डॉ. भागवान सहाय मीना -जयपुर
बुद्धप्रिय सुरेश सौरभ गाजीपुरी -गाजीपुर, उ.प्र.

*यह सभी पद अवैतनिक हैं ।*

***डिजाईन, ग्राफ़िक्स टीम :***
प्रमोद कुमार
राहुल कुशवाहा

***उत्पादन अधिकारी***
विजय कुमार सिंह

***प्रिंटिंग :***
एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

*प्रिंटेड कॉपी मूल्य : **रुपये 120/-***
*डाक खर्च सहित*

*सम्पादकीय कार्यालय :*
*डिजाईनवर्ल्ड*
*डब्लू जेड -572 एन, बैक साइड,*
*नारायणा गाँव, दिल्ली-110028*
*संपर्क : 9582593779*
*Email : info@batterybusiness.in*
*Website : www.batterybusiness.in*

*पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है ।*

*बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है । पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है ।*

# कलम कहे हमारी बात

नमस्कार दोस्तों,

महाशिवरात्रि पर्व की आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

बैटरी व्यापार से जुड़े लोगों के मन में एक उम्मीद है कि शायद मार्च से कारोबार कुछ गति पकड़े। क्योंकि फरवरी महीने में कारोबार की गति मंद रही, जिससे व्यापारियों में निराशा देखने को मिल रही है। जहां पर भी माल बेचा गया पैसा समय पर वापस नहीं मिल रहा है। ऐसे में व्यापारियों में निराशा का माहौल लाजमी है।

अब व्यापारियों के सामने एक समस्या और दिख रही है वह है रूस और युक्रेन का युद्ध। क्योंकि युद्ध कहीं पर भी हो उसका असर पूरा विश्व पर पड़ता है। इस युद्ध का परिणाम क्या होगा इस बात से भी बैटरी व्यापारियों में चिंता है। क्योंकि एक उम्मीद थी कि मार्च के बाद कारोबार गति पकड़ेगा पर इस युद्ध ने तो इस पर भी आशंका उत्पन्न कर दिया है।

दूसरी ओर महंगाई रुकने का नाम नहीं ले रही। कागज हो, प्लास्टिक हो, लेड हो, एसिड हो सबका दाम रोज-रोज बढ़ रहा है। ऐसे में कारोबार में अस्थिरता बनी रहेगी। क्योंकि कैसे कोई व्यापारी कोटेशन देगा। क्योंकि आज रेट कुछ और है कल क्या होगा इसका पता नहीं है। ऐसे में काम करना बहुत मुश्किल हो रहा है।

सभी पहलुओं पर नजर डालने के बाद भी बैटरी कारोबारी किसी भी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। उनके मन से निराशा नहीं निकल रही है। बाजार में कहीं भी स्थिरता नहीं दिखाई दे रही है।

"बैटरी व्यापार" मासिक पत्रिका की नजर बाजार में ही रहता है। आप भी अपने विचार इस पत्रिका में प्रकाशित करवाना चाहते हैं आप संपर्क कर सकते हैं। आप लिखने में रुचि रखते हैं, आप अपने समस्याओं को उजागार करना चाहते हैं आप हमें ई-मेल कीजिए। पत्रिका में स्थान अवश्य मिलेगा।

धन्यवाद!

**विनय कुमार भक्त**
info@batterybusiness.in
www.batterybusiness.in

इस अंक में.....

# विषय-सूची

वर्ष-01 अंक-05 फरवरी-2022

**05** समाचार

हीरो मोटोकॉर्प ने 2W EVs के लिए चार्जिंग इंफ्रा स्थापित करने के लिए BPCL के साथ हाथ मिलाया

पुणे स्थित पिनेकल मोबिलिटी 2-3 महीनों में EKA ब्रांड की ई-बसें लॉन्च करेगी

**06** समाचार

अवदा एनर्जी बिहार का पहला तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र वितरित करेगा

टेस्ला देश से भागने वाले लोगों के लिए यूक्रेन के पास मुफ्त ईवी चार्जिंग प्रदान करता है

**07** समाचार

5,384 इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल कर रही सरकारी एजेंसियां : नितिन गडकरी

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी स्वैपिंग नीति तैयार करेगी केंद्र सरकार

**08** आवरण कथा

भारत में लीड-एसिड बैटरी का बाज़ार, विकास, रुझान और पूर्वानुमान

**13** परिचर्चा

शांति का सन्देश फैलायें

**11** बजट 2022 में सौर ऊर्जा संक्रमण के लिए आवश्यक सभी चीजें हैं: ऊर्जा मंत्री आर के सिंह

**15** ज्ञान

बैटरी फैक्ट्री के अंदर लैब का होना अनिवार्य है

**19** कहानी

बेटी बनाम बहू

**16**

**17** आलेख

विवाह-विच्छेद

**21** साहित्य-काव्य

समझौता | वक्त | मधुमास बसंत

**18** साहित्य-काव्य

कोरोना से | वियोग | नारी | चुनाव सरगर्मियां

**22** नये सदस्य

विज्ञापन पृष्ठ : 02, 10, 12, 14, 20, 23

# हीरो मोटोकॉर्प ने 2W EVs के लिए चार्जिंग इंफ्रा स्थापित करने के लिए BPCL के साथ हाथ मिलाया

## सहयोग के हिस्से के रूप में, दोनों संस्थाएं पहले मौजूदा राष्ट्रव्यापी ऊर्जा स्टेशन नेटवर्क पर पर्याप्त चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करेंगी

दोपहिया प्रमुख हीरो मोटोकॉर्प ने कहा है कि उसने देश भर में दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के साथ हाथ मिलाया है।

पिछले साल, बीपीसीएल ने घोषणा की थी कि वह 7,000 पारंपरिक खुदरा दुकानों को ऊर्जा स्टेशनों में परिवर्तित कर रहा है, जिसमें कई ईंधन विकल्प उपलब्ध हैं, जिसमें मध्यम से लंबी अवधि में ईवी चार्जिंग सुविधा भी शामिल होगी।

सहयोग के हिस्से के रूप में, दोनों संस्थाएं पहले मौजूदा राष्ट्रव्यापी ऊर्जा स्टेशन नेटवर्क पर पर्याप्त चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करेंगी। इसके बाद, वे ईवी पारिस्थितिकी तंत्र और आसन्न व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों के भीतर अधिक तालमेल विकसित करने के लिए सहयोग को व्यापक बना सकते हैं, जिससे पूरे ग्राहक जीवन चक्र में संभावनाएं सक्षम हो सकें।

पहले चरण में, दिल्ली और बेंगलुरु से शुरू होने वाले नौ शहरों में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

इसके बाद चार्जिंग स्टेशनों के उच्च घनत्व को स्थापित करने के उद्देश्य से पूरे देश में नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा।

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन और सीईओ पवन मुंजाल जी ने एक बयान में कहा है कि बीपीसीएल के साथ साझेदारी, जो पहले से ही ग्राहक ऊर्जा समाधान में सबसे आगे है, ईवी सेगमेंट और ग्राहकों दोनों के लिए फायदेमंद होगी। यह सहयोग भविष्य में परिसंपत्ति आवंटन और विस्तार के अवसरों को भी खोलेगा।

उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय और तकनीक संचालित टिकाऊ उभरते मोबिलिटी समाधान विकसित करने के अलावा, कंपनी एक मजबूत ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और ग्राहकों को सबसे उन्नत सेवाएं प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है।

बीपीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि भारत की व्यक्तिगत गतिशीलता मुख्य रूप से दोपहिया वाहनों द्वारा संचालित होती है जो मूल्यवान ग्राहक आधार का सबसे बड़ा हिस्सा हैं।

# पुणे स्थित पिनेकल मोबिलिटी 2-3 महीनों में EKA ब्रांड की ई-बसें लॉन्च करेगी

Pinnacle Mobility Solutions, दो से तीन महीनों में EKA ब्रांड के तहत इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च करेगी। कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने एक साक्षात्कार में कहा कि पुणे स्थित ईवी निर्माता अगले पांच वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है क्योंकि यह अंतिम मील गतिशीलता खंड में ईवीएस का एक पोर्टफोलियो बनाना चाहता है।

यह उक्त राशि को वीडीएल ग्रूप के सहयोग से निवेश करेगा। बाद वाले के पास 26 प्रतिशत इक्विटी होगी और पिनेकल इंडस्ट्रीज के पास शेष 74 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। पिनेकल उन विभिन्न वाहन निर्माताओं में से एक है जिन्होंने उत्पादकता से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के लिए अर्हता प्राप्त की है।

फर्म ईवीएस, ईंधन सेल ईवी और वैकल्पिक ईंधन वाहनों की एक पूरी श्रृंखला का डिजाइन, निर्माण और आपूर्ति करेगी। इसमें कंपोनेंट्स असेंबली और मैन्युफैक्चरिंग, EV ट्रैक्शन सिस्टम, EV एनर्जी स्टोरेज सिस्टम आदि भी होंगे।

नीति आयोग ने 2030 तक 40 प्रतिशत बसों को ईवी बनाने की परिकल्पना की है। भारतीय ऑनलाइन किराना बाजार की मजबूत वृद्धि से प्रेरित, जो 57 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ रहा है, अंतिम मील वितरण उद्योग के 9 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है।

# अवदा एनर्जी बिहार का पहला तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र वितरित करेगा

**दरभंगा जिले में फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट आ रहा है जो 25 साल तक हर साल 27 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन करेगा।**

उच्च जनसंख्या घनत्व और कम भूमि उपलब्धता के साथ, बिहार अब स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए अपने जल निकायों का उपयोग कर रहा है। बिहार सरकार ने दरभंगा जिले में छह एकड़ जल निकाय पर अवाडा एनर्जी को 2 मेगावाट (मेगावाट) की फ्लोटिंग सौर ऊर्जा इकाई चालू की है और यह परियोजना चालू होने वाली है।

यह परियोजना स्थानीय समुदायों के लिए हरित ऊर्जा उत्पादन और आजीविका के अवसरों का एक बड़ा समामेलन है। शीर्ष पर सौर ऊर्जा उत्पादन सौर पैनलों के नीचे मछली पालन (मछली पालन) को बढ़ाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सतत विकास के लिए राज्य के जल निकायों के उपयोग को लेकर आशान्वित हैं।

फ़्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजनाओं का एक अंतर्निहित लाभ होता है जो परियोजना की दक्षता और जीवन को बढ़ाता है। पानी ऊपर लगे सौर पैनलों को ठंडा करता है और जब आसपास का तापमान बढ़ता है, तब भी वे कुशलता से बिजली पैदा करने में सक्षम होते हैं।

दरभंगा परियोजना से उत्पन्न सौर ऊर्जा अवदा एनर्जी द्वारा बिहार अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (बीआरईडीए) को प्रेषित की जाएगी। कंपनी ने ब्रेडा के साथ 25 साल के लिए बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। BREDA उत्तर भारतीय राज्य में स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार करने के लिए अनिवार्य एक सरकारी एजेंसी है।

फ्लोटिंग सोलर प्लांट से उत्पन्न बिजली को स्थानीय उपभोक्ताओं को वितरित किया जाएगा। यह काम नार्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड करेगी। इस परियोजना से करीब 10,000 लोगों को बिजली की आपूर्ति की जाएगी।

बिहार में एक दूसरा तैरता हुआ सौर संयंत्र भी है जो निर्माणाधीन है। यह सुपौल जिले में स्थित है जो कोसी बेल्ट में स्थित जल निकायों के लिए जाना जाता है। पता चला है कि सुपौल परियोजना मार्च के अंत तक पूरी हो जाएगी।

बिहार अपनी अक्षय ऊर्जा नीति 2017 के तहत निर्धारित अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों से बहुत पीछे चल रहा है। राज्य ने 2022 तक 3,433 मेगावाट आरई पैदा करने का लक्ष्य रखा है जिसमें अकेले सौर ऊर्जा का योगदान 2,969 मेगावाट करना था। हालाँकि, राज्य ने हाल तक कुल आरई का केवल 386 मेगावाट स्थापित किया है।

# टेस्ला देश से भागने वाले लोगों के लिए यूक्रेन के पास मुफ्त ईवी चार्जिंग प्रदान करता है

इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने रूसी आक्रमण के बाद देश से भागने वाले लोगों के लिए यूक्रेन के आसपास के कई देशों में मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश शुरू कर दी है।

स्थानीय मालिकों को एक ईमेल में, टेस्ला ने घोषणा की है कि वह उन देशों के साथ यूक्रेनी सीमाओं के पास कई सुपरचार्जर स्टेशन बना रही है, जो टेस्ला और गैर-टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहनों दोनों के लिए उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं। अस्थायी रूप से यूक्रेन में हाल की स्थिति से प्रभावित क्षेत्रों में टेस्ला और गैर-टेस्ला वाहनों दोनों के लिए मुफ्त सुपरचार्जिंग सक्षम कर रहे हैं।

जब दुनिया के क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होते हैं, तो टेस्ला को उन क्षेत्रों में मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश करने के लिए जाना जाता है ताकि लोगों को खतरे से दूर जाने के बारे में सोचने के लिए एक कम चीज मिल सके। उदाहरण के लिए, टेस्ला ने अमेरिका के दक्षिण में तूफान के दौरान कई मौकों पर मालिकों को मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश की।

# 5,384 इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल कर रही सरकारी एजेंसियां : नितिन गडकरी

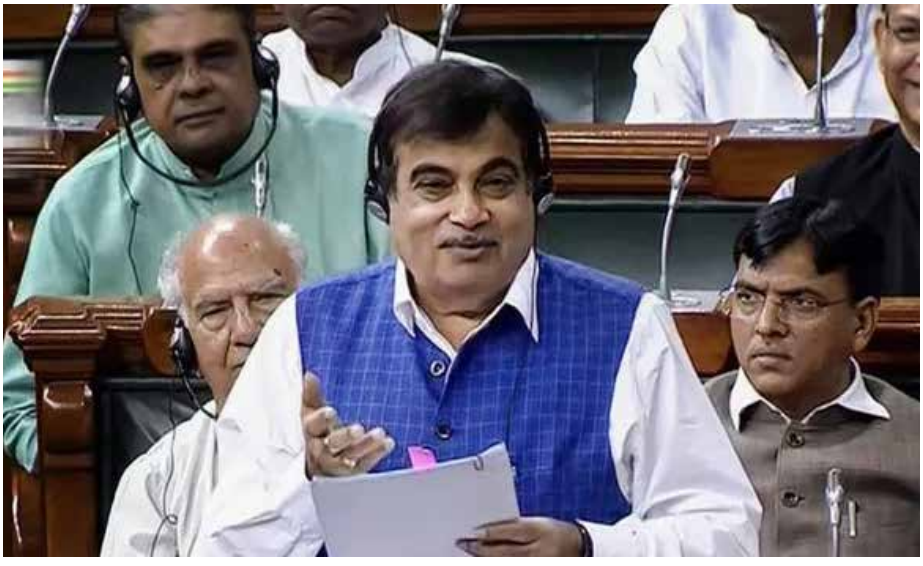

फरवरी, 2022 तक, केंद्र और राज्य सरकारों और स्वायत्त निकायों सहित सरकारी एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जा रहे 8,47,544 वाहनों में से कुल 5,384 वाहन इलेक्ट्रिक वाहन थे, संसद को सूचित किया गया।

लोकसभा में एक लिखित उत्तर में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि स्थानीय प्राधिकरणों (1,352) द्वारा उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों की अधिकतम संख्या, इसके बाद सरकारी उपक्रमों (1,273) और राज्य सरकारों (1,237) हैं।

एक अलग सवाल का जवाब देते हुए, गडकरी जी ने कहा था कि भारतमाला परियोजना चरण- I के तहत विकसित किए जाने के लिए स्वीकृत राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (एनएचडीपी) के 10,000 किलोमीटर सहित कुल 34,800 किलोमीटर की लंबाई में से लगभग 19,363 किलोमीटर की लंबाई वाली परियोजनाओं को पूरा किया जा चुका है। जनवरी, 2022 तक प्रदान किया गया।

एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि सरकार ने वित्तीय वर्ष के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के लिए 59,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बजटीय सहायता आवंटित की है।

मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 2014 में लगभग 91,287 किमी से बढ़ाकर वर्तमान में लगभग 1,41,190 किमी कर दी गई है।

एक अन्य सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में देश भर में 48,144 ई-चालान जारी किया गया है।

# इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी स्वैपिंग नीति तैयार करेगी केंद्र सरकार

भारत सर्कार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए अंतर-संचालन मानकों के साथ बैटरी स्वैपिंग नीति लाने की योजना बना रहा है। 2022-23 के लिए केंद्रीय बजट पेश करते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बड़े पैमाने पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए शहरी क्षेत्रों में जगह की कमी को देखते हुए, एक बैटरी स्वैपिंग नीति लाई जाएगी और अंतर-संचालन मानक तैयार किए जाएंगे।

निजी क्षेत्र को 'सेवा के रूप में बैटरी या ऊर्जा' के लिए टिकाऊ और नवोन्मेषी व्यवसाय मॉडल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे ईवी इको [1] प्रणाली में दक्षता में सुधार होगा।

बजट का स्वागत करते हुए, सोसाइटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एसएमईवी) के महानिदेशक सोहिंदर गिल ने कहा कि बजट का उद्देश्य ईवी उद्योग के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है, जो ई2डब्ल्यू, ई3डब्ल्यू, कारों और बसें जैसे हरे वाहनों की मांग को बढ़ावा देगा। उन्होंने यह भी कहा कि इन घोषणाओं से ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और सार्वजनिक परिवहन में ईवी के उपयोग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह डिलीवरी और कार एग्रीगेशन व्यवसायों में लगे व्यवसायों को अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने के लिए प्रेरित करेगा।

# भारत में लीड-एसिड बैटरी का बाजार, विकास, रुझान और पूर्वानुमान

वित्त वर्ष 2020 में भारत के लीड-एसिड बैटरी बाजार का मूल्य 4.86 बिलियन अमरीकी डॉलर था, और यह 2021-2026 की पूर्वानुमान अवधि के दौरान लगभग 9.47% की सीएजीआर दर्ज करते हुए, वित्त वर्ष 2026 तक 7.83 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। COVID-19 महामारी ने भारत में लेड-एसिड बैटरी बाजार पर प्रभाव को दर्शाया, क्योंकि एंड-यूज़र उद्योगों की मांग 2020 के उत्तरार्ध में ठीक हो गई। यह मुख्य रूप से औद्योगिक और अन्य अनुप्रयोगों द्वारा कवर घाटे के कारण था। खंड, जो महामारी के दौरान वाहनों की बिक्री में कमी के कारण एसएलआई खंड में मांग में कमी के कारण बनाया गया था। कारक, जैसे कि दूरसंचार और डेटा केंद्रों की बढ़ती मांग, उद्योगों में बढ़ते अनुप्रयोगों के साथ, जैसे रेलवे, से पूर्वानुमान अवधि के दौरान बाजार को चलाने की उम्मीद है। हालांकि, वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों, मुख्य रूप से लिथियम-आयन, से बाजार के विकास को बाधित करने की उम्मीद है, मुख्य रूप से उनकी घटती लागत और तकनीकी लाभों के कारण हो सकता है।

परन्तु देश के बड़े वाहन बेड़े के कारण बाजार में SLI बैटरी (स्टार्ट, लाइट और इग्निशन) का बोलबाला है, जो बड़ी मात्रा में लेड-एसिड बैटरी की बिक्री में तब्दील हो जाता है।

लेड-एसिड बैटरी प्रौद्योगिकियों में नई प्रगति से भारत के लेड-एसिड बैटरी बाजार के लिए जल्द ही अपार अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

पूर्वानुमान अवधि के दौरान दूरसंचार और डेटा केंद्र अनुप्रयोगों की बढ़ती मांग से भारत के लीड-एसिड बैटरी बाजार में वृद्धि होने की उम्मीद है।

**बाजार पर हावी होने के लिए SLI बैटरियों का अनुप्रयोग**

पिछले 100 वर्षों से लगभग हर कार में स्टार्टिंग, लाइटिंग और इग्निशन (SLI) बैटरियां मौजूद हैं। आम तौर पर, एसएलआई बैटरी का उपयोग कम बिजली के फटने के लिए किया जाता है, जैसे कि कार का इंजन शुरू करना या हल्के विद्युत भार चलाना। इसके अलावा, ये बैटरियां अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति करती हैं जब वाहन का विद्युत भार चार्जिंग सिस्टम (अल्टरनेटर) से आपूर्ति से अधिक हो जाता है और विद्युत प्रणाली में वोल्टेज स्टेबलाइजर के रूप में कार्य करता है जो वोल्टेज स्पाइक्स को बाहर कर देता है, जिससे उन्हें विद्युत प्रणाली में अन्य घटकों को नुकसान पहुंचाने से रोका जा सकता है।

SLI बैटरियों को ऑटोमोबाइल के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसलिए उन्हें हमेशा वाहन के चार्जिंग सिस्टम के साथ स्थापित किया जाता है, जिसका अर्थ है कि जब भी वाहन उपयोग में होता है तो बैटरी में चार्ज और डिस्चार्ज का एक निरंतर चक्र होता है। 12-वोल्ट बैटरी 50 से अधिक वर्षों से सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली बैटरी रही हैं। हालांकि, इसका सामान्य वोल्टेज (कार में उपयोग में और अल्टरनेटर द्वारा चार्ज किए जाने पर) 14-वोल्ट के करीब है।

एसएलआई बैटरी बाजार के विकास के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारक उच्च प्रदर्शन, लंबे जीवन और लागत-दक्षता वाले स्टार्टर मोटर्स, लाइट्स, और इग्निशन सिस्टम या अन्य आंतरिक दहन इंजनों के लिए इन बैटरियों की बढ़ती मांग है। इसके अलावा, भारत में कारों और ट्रकों जैसे पारंपरिक दहन इंजन वाहनों में सभी एसएलआई बैटरी अनुप्रयोगों के लिए लेड-एसिड बैटरी पसंद की तकनीक है।

पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने प्रति व्यक्ति आय में जबरदस्त वृद्धि देखी है। इससे, बदले में, प्रयोज्य आय के स्तर में सुधार हुआ। नतीजतन, ऑटोमोबाइल की बिक्री में तेज वृद्धि हुई है, विशेष

रूप से दोपहिया और चार पहिया वाहनों की। इससे एसएलआई बैटरी की मांग बढ़ गई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार, 2020 में भारत में कुल 18.61 मिलियन वाहन बेचे गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.60% कम था, जब 21.54 मिलियन वाहन बेचे गए थे। गिरावट मुख्य रूप से COVID-19 महामारी के कारण थी, जिसके कारण विनिर्माण सुविधाएं अस्थायी रूप से बंद हो गईं, इस प्रकार SLI बैटरी की मांग में गिरावट आई।

हालांकि, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार, नवंबर 2020 में व्यक्तिगत वाहन की बिक्री नवंबर 2019 में 2,79,365 इकाइयों की तुलना में 2,91,001 इकाई रही, जिसमें 4.17% की वृद्धि दर्ज की गई और वित्त वर्ष 2020 में कुल मोटर वाहन निर्यात 4.77 मिलियन वाहनों तक पहुंच गया। भारत में, ई-रिक्शा को छोड़कर, ईवी की बिक्री में 20% की वृद्धि देखी गई और वित्त वर्ष 2020 में 1.56 लाख यूनिट तक पहुंच गई। इस प्रकार, अर्थव्यवस्था में सुधार और ऑटोमोबाइल की मांग के साथ, पूर्वानुमान अवधि के दौरान SLI बैटरी की मांग बढ़ने की संभावना है।

इसलिए, उपर्युक्त कारकों के आधार पर, पूर्वानुमान अवधि के दौरान SLI बैटरी अनुप्रयोग भारत के लीड-एसिड बैटरी बाजार पर हावी होने की उम्मीद है।

**दूरसंचार और डाटासेंटर अनुप्रयोगों की बढ़ती मांग**

भारत में दूरसंचार उद्योग दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा है, जिसमें कुल 1.17 अरब ग्राहक हैं। स्थिर बैटरी का उपयोग अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए किया जाता है, जहां स्टैंडबाय या आपातकालीन आधार पर बिजली की आवश्यकता होती है। इन बैटरियों को न्यूनतम अवधि के कारण बार-बार डिस्चार्ज नहीं किया जाता है, और इन्हें उच्च भंडारण क्षमता की आवश्यकता नहीं होती है। इस प्रकार, लेड-एसिड बैटरी दूरसंचार क्षेत्र के लिए एक व्यवहार्य समाधान प्रदान करती है।

बढ़ती जनसंख्या, डिजिटलीकरण का युग, और 4जी सेवाओं की शुरूआत पिछले दशक के दौरान भारत में बढ़ते ग्राहक आधार के प्रमुख कारक थे, और देश भर में 5जी सेवाओं के आगामी लॉन्च के साथ इसमें पर्याप्त वृद्धि होने का अनुमान है। बढ़ते ग्राहकों के साथ, कंपनियों को देश में दूरसंचार टावरों की संख्या में वृद्धि करने की आवश्यकता है, जिससे बैकअप उद्देश्यों के लिए

लीड-एसिड बैटरी की काफी मांग पैदा हो गई है।

जीएसएम एसोसिएशन (जीएसएमए) के अनुसार, भारत की मोबाइल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान देगी। 2019 में, भारत ऐप डाउनलोड की संख्या के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया। ई-कॉमर्स उद्योग में बढ़ती वृद्धि और डिजिटलाइजेशन के साथ, लीड एसिड बैटरी निर्माता देश भर में अपने बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने के लिए तैयार हैं।

ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो अगस्त 2021 में कुल ग्राहकों का 44.5% थी, जबकि दिसंबर 2012 में कुल ग्राहकों का हिस्सा 37.8% था।इसके अलावा, पूर्वानुमान अवधि के दौरान डेटा केंद्रों और टावर प्रतिष्ठानों में वृद्धि से लीड-एसिड बैटरी की मांग बढ़ने की संभावना है, जब तक कि एक व्यवहार्य विकल्प नहीं आता है जिसका उपयोग बैटरी-आधारित पावर बैकअप के लिए लीड-एसिड बैटरी के बजाय किया जा सकता है। उद्देश्य। लिथियम-आयन बैटरी लेड एसिड बैटरी के एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभर रही है। हालांकि, निकट भविष्य में लिथियम-आयन बैटरी को बदलने की उम्मीद नहीं है। हाल के दिनों में, डेटा सेंटर देश में एक वैकल्पिक रियल एस्टेट सेगमेंट बन गए हैं, जिससे बाजार में लेड-एसिड बैटरी की मांग बढ़ रही है। भारत में 502 सेवा प्रदाताओं के साथ लगभग 127 डेटा केंद्र हैं। इसलिए, उपर्युक्त कारकों के आधार पर, पूर्वानुमान अवधि के दौरान दूरसंचार और डेटासेंटर अनुप्रयोगों की बढ़ती मांग से भारत में लीड-एसिड बैटरी बाजार को चलाने की उम्मीद है।

**नव गतिविधि**

लिथियम-आयन बैटरी की 25,000 यूनिट कोमाकी XGT-X1 को 60,000 रुपये में बेचने के बाद, कोमाकी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने सितंबर 2021 में इलेक्ट्रिक स्कूटर का एक किफायती संस्करण पेश किया, जिसमें लीड-एसिड बैटरी वैरिएंट है, जिसकी कीमत 45,000 रुपये (दोनों कीमतें) है। एक्स-शोरूम, भारत)। कंपनी ने जून 2020 में XGT-X1 इलेक्ट्रिक स्कूटर का खुलासा किया। इलेक्ट्रिक स्कूटर में टेलिस्कोपिक शॉकर्स, एक एंटी-थेफ्ट लॉक सिस्टम, रिमोट लॉक और कंपनी की नई उन्नत तकनीक है, जिसे लिथियम टाइटेनेट बैटरी के रूप में जाना जाता है। यह बैटरी आम तौर पर इको मोड में 100 किमी - 120 किमी प्रति चार्ज की रेंज प्रदान करती है। इसके अलावा, शहरी सड़कों (आपातकालीन मामलों में) पर एक सुरक्षित सवारी सुनिश्चित करने के लिए, स्कूटर को एक सिंक्रनाइज़ ब्रेकिंग सिस्टम और आकार के बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) पहियों के साथ तैयार किया गया है।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी लेड-एसिड बैटरी निर्माता अमारा राजा बैटरीज ने मई 2021 में लेड-एसिड बैटरी के निर्माण के व्यवसाय को फिर से शुरू किया। कंपनी को अप्रैल 2021 में आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (APPCB) से बंद करने के आदेश मिले। बंद करने का आदेश जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 का कथित रूप से उल्लंघन करने के लिए था। आंध्र प्रदेश की अदालत ने एपीपीसीबी द्वारा दिए गए आदेशों की अनुमति और अंतरिम निलंबन की अनुमति दी।

**लीड एसिड बैटरी के प्रमुख उत्पादक**

एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, अमारा राजा बैटरीज लिमिटेड, लुमीनोउस इंडिया, एचबीएल पावर सिस्टम्स लिमिटेड, जयचंद्रन इंडस्ट्रीज (प्रा.) लिमिटेड लीड एसिड बैटरी के प्रमुख उत्पादक हैं।

***(Source : Internet)***

MAKE IN INDIA

staxxa solar

# उम्मीद से ज्यादा

## ज्यादा पावर, ज्यादा बैकअप

## फास्ट चार्जिंग और आपका भरोसा

60* MONTHS WARRANTY

160AH 200AH 225AH

Email : customercare@staxxasolar.com
Web : www.staxxasolar.com

Toll Free : 1800-891-3910

# बजट 2022 में सौर ऊर्जा संक्रमण के लिए आवश्यक सभी चीजें हैं: ऊर्जा मंत्री आर के सिंह

**सिंह ने कहा कि सरकार को कम ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना होगा जो या तो कम उत्सर्जन का कारण बनते हैं या बिल्कुल भी नहीं।**

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री आर के सिंह ने कहा कि 2022-23 के बजट में ऊर्जा परिवर्तन के लिए आवश्यक सब कुछ है, जिसमें घरेलू सौर उपकरण निर्माण को 45 गीगावाट (जीडब्ल्यू) तक बढ़ाने के लिए अतिरिक्त 19,500 करोड़ रुपये का प्रावधान शामिल है।

बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अतिरिक्त रु. घरेलू स्तर पर सौर सेल और मॉड्यूल निर्माण के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए 19,500 करोड़ दिए हैं।

यह सौर उपकरणों के लिए मौजूदा पीएलआई योजना को रुपये से बढ़ा देगा। 4,500 करोड़ से रु. 24,000 करोड़, जो देश में 45 GW तक की अतिरिक्त विनिर्माण क्षमता बनाने में मदद करेगा।

आर के सिंह जी ने कहा, "इस बजट में ऊर्जा संक्रमण के लिए जो कुछ भी आवश्यक था, प्रदान किया गया है। हमारे सामने ऊर्जा संक्रमण की चुनौती है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ऊर्जा संक्रमण आवश्यक है।" उन्होंने कहा कि सरकार को कम ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना होगा जो या तो कम उत्सर्जन का कारण बनते हैं या बिल्कुल भी नहीं।

सिंह ने कहा, "हमें दो काम करने की जरूरत है। पहला, हमें यहां (भारत में) सौर उपकरण का उत्पादन करने की जरूरत है, जिसका आयात किया जाता है। सरकार ने सौर विनिर्माण के लिए पीएलआई के लिए अतिरिक्त 19,500 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं।"

उन्होंने यह भी कहा कि पीएलआई एक बड़ी योजना है और भारत में यहां 40 गीगावॉट से 45 गीगावॉट सौर उपकरण की उत्पादन क्षमता बनाने में मदद करती है, जो पॉलीसिलिकॉन से लेकर मॉड्यूल तक है।

जब अप्रैल 2021 में इस योजना को मंजूरी दी गई थी, तो इसका उद्देश्य एकीकृत सौर पीवी मॉड्यूल की 10,000-मेगावाट (मेगावाट) निर्माण क्षमता को जोड़ना था, जिसमें वर्तमान में 17,200 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष निवेश शामिल था।

सौर मॉड्यूल पर आयात शुल्क 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने के बारे में, सिंह ने कहा कि "हम भारत में बने सौर मॉड्यूल का उपयोग करेंगे और इसलिए, 1 अप्रैल, 2022 से 40 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाया जाएगा।"

बजट दस्तावेज़ में सौर सेल पर आयात शुल्क को 1 अप्रैल, 2022 से 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने का भी प्रस्ताव किया गया है। मंत्री ने यह भी कहा, "(सरकार) ने ग्रीन हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश के लिए हरित बांड भी प्रदान किया है"।

वितमंत्री ने यह भी प्रस्ताव दिया कि 2022-23 में सरकार के समग्र बाजार उधार के हिस्से के रूप में, हरित बुनियादी ढांचे के लिए संसाधन जुटाने के लिए सॉवरेन ग्रीन बांड जारी किए जाएंगे।

आय को सार्वजनिक क्षेत्र की परियोजनाओं में लगाया जाएगा, जो अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को कम करने में मदद करती है।

सिंह ने कहा कि सरकार बैटरी बदलने की नीति भी लाएगी और ग्रीन मोबिलिटी जोन बनाएगी।

उन्होंने कहा कि कनॉट प्लेस या सरोजिनी नगर जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में ऐसे जोन हो सकते हैं।

मंत्री ने ताप विद्युत संयंत्रों में ईंधन के साथ बायोमास छर्रों के सम्मिश्रण के प्रावधान की भी सराहना की।

Amtek
BATTERY CONTAINERS

INTRODUCES

A NEW PRODUCT

LITHIUM HOLDER

for LITHIUM BATTERY PACKS

Currently available for **18650** and **32700** cells.

Mob. : +91 9810622544 | Email : amtekbatteries@gmail.com

# शांति का संदेश फैलायें

**भयभीत हुआ हर शख्स यहां**
**युद्धों को अब विराम दीजै**
**वैर वैमनस्य को भूल ए मानव**
**हर जन को उर से लगा लीजै**

आज तक लड़ाई झगड़ों और युद्धों से विश्व में किसी का भला नहीं हुआ है और ना ही भविष्य में ऐसा कुछ होने की कोई संभावना ही है। हिंसा और झगड़ों से समाज में केवल अराजकता फैलती है, शांति भंग होती है और व्यवस्था खराब होती है जिसकी वजह से समाज का विकास अवरुद्ध होने लगता है और अनेक प्रकार की कुरीतियां उत्पन्न होने लगती हैं। समाज में रह रहे लोगों पर इन सब बातों का गलत असर पड़ता है क्योंकि इंसान जिस प्रकार के वातावरण में रहता है उसका उसके मस्तिष्क एवं उसके व्यक्तित्व पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। अच्छे वातावरण में रहने वाले नागरिक देश को आगे बढ़ाते हैं और खराब वातावरण पाने पर विकसित देश भी अल्पविकसित देशों की श्रेणी में गिने जाने लग जाते हैं ।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब जब किसी देश ने युद्ध को आमंत्रण दिया है तब तब विश्व में विनाश लीला ही देखी गई है जिसका असर पूरे विश्व पर पड़ता है। जो काम प्रेम, सद्भावना और शांतिपूर्ण तरीकों से किया जा सकता है उसे कभी भी लड़ झगड़ कर और हिंसा के माध्यम से पूरा नहीं किया जा सकता। प्रेम से तो दुश्मनों को भी अपना बनाया जा सकता है परंतु अराजकता वाले माहौल में अपने भी पराए हो जाते हैं और दुश्मन लगने लगते हैं जिसकी वजह से समाज के विकास की गति रुक जाती है, समाज आगे नहीं बढ़ पाता और इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न हो जाती है कि वहां रह रहे लोगों को घुटन महसूस होने लगती है।

हिरोशिमा और नागासाकी का उदाहरण हम सभी के सामने हैं। अमेरिका द्वारा किए गए उस हमले के कुप्रभाव अभी तक वहां देखे जा सकते हैं। वर्तमान में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की जो स्थिति नजर आ रही है वह भी अति भयावह है। युद्ध की कल्पना मात्र से ही दिल दहलने लगता है। युद्ध की स्थिति में मासूम लोग खुद को कितना असुरक्षित और कमजोर महसूस करने लगते हैं, जिन लोगों का युद्ध से कोई लेना देना नहीं होता,वे लोग बेवजह खौंफ के साए में जीने को मजबूर होते हैं। राजनीति की आड़ में बड़े नेता और सरकारें युद्ध शुरू कर देती हैं परंतु उस वक्त उन्हें उस देश में रह रहे मासूम बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का ख्याल नहीं आता जो युद्ध की कल्पना से ही भयभीत हो जाते हैं। किसी भी युद्ध का कभी भी कोई अच्छा परिणाम नहीं निकलता है।अपनी सीमाओं का विस्तार करने हेतु जब एक देश दूसरे देश पर आक्रमण करता है और उसे हर संभव तरीके से प्रताड़ित करता है तो उस देश के नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना घर कर जाती है जो तमाम उम्र उनके जहन से निकल नहीं पाती जिसका प्रत्यक्ष असर उनके संपूर्ण जीवन पर पड़ता है। ना केवल उन पर अपितु उन की आने वाली अनेक पीढ़ियां भी इस भय से ग्रस्त हो जाती हैं। कितने ही बेगुनाह लोग युद्ध में मारे जाते हैं, कितने घर उजड़ जाते हैं ,कितनी महिलाओं का सिंदूर बेवजह मिट जाता है और बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

विभिन्न देशों के बीच होने वाले युद्ध तो काफी व्यापक स्तर पर होते हैं, परंतु यदि हम छोटे स्तर की बात भी करें तो हमारे आपके घरों में होने वाले क्लेश और झगड़ों से भी घर के प्रत्येक सदस्य पर कितना अधिक गहरा असर पड़ता है जिसकी वजह से वे तनाव महसूस करते हैं।इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता जब छोटे स्तर पर होने वाले झगड़ों का लोगों के जीवन पर इतना बुरा असर देखने को मिलता है तो व्यापक स्तर पर इसके परिणाम कितने घातक होते होंगे।

विश्व बंधुत्व की भावना का संदेश देने वाले देश भी हिंसावादी रवैया अपनाने से बाज नहीं आते हैं और सुपर पावर बनने की चाह में विश्व में अशांति उत्पन्न करने में अपना योगदान देने में गर्व तक महसूस करते हैं जो कि अति शर्मनाक है । मानवीयता को ताक पर रखकर अपने अहम की संतुष्टि हेतु वे हर सही गलत तरीके का प्रयोग कर गौरव का अनुभव करते हैं और अपने से कमजोर देशों पर हमला करने से बाज नहीं आते।

आपसी बैर और वैमनस्य को भूलते हुए क्यों ना आज हम सब मिलकर शपथ लें कि हम सब आज से,अभी से अपने मन से हर प्रकार की कलुषता को मिटायेंगे और सौहार्द पूर्ण रिश्तों को कायम करने में अपना अभूतपूर्व योगदान देंगे ताकि इस विश्व को एक सुंदर और शांत विश्व बना पाएं क्योंकि उसी सूरत में यहां रहने वाला हर व्यक्ति अपने आप को सरल सहज और सुरक्षित महसूस कर पाएगा।

**नफ़रत करने वालों के सीनों में भी**
**हम प्रेम की अलख जगाएंगे**
**शांति सहिष्णुता का संदेश फैलाकर**
**इस विश्व को हसीन बनाएंगे**

*पिंकी सिंघल, शालीमार बाग दिल्ली*

# Transport India

*Smart Transport for a Sustainable Future*

Including

7th Smart Cities INDIA EXPO

**23 24 25 March 2022**

Pragati Maidan, New Delhi

# THE FUTURE OF MOBILITY

**Promoting green & sustainable transportation to secure the future of the next generation and improve the quality of life of our citizens.**

## 2021 SHOW HIGHLIGHTS*

| 12,786 | 575 | 27 | 11,000 |
|---|---|---|---|
| Visitors | Participants | Countries | sqm Exhibit area |

## TECHNOLOGY ON DISPLAY

- Autonomous technologies
- Charging infrastructure
- Connected car solutions
- Electric fleet management system
- Electric/hybrid vehicle
- Fuel cells
- Parking technology & infrastructure
- Power products
- Public transportation vehicles
- Batteries and storage
- Safety products and services
- Sensors technologies

**Statistics for 6th Smart Cities & 28th Convergence India expo, held from 24-26 March 2021 at Pragati Maidan.*

**Media Partner**

बैटरी व्यापार
Battery Business
HINDI ONLINE MONTHLY
www.batterybusiness.in

**Organiser**

Exhibitions India Group
ISO 9001:2015 · ISO 14001:2015 · OHSAS 18001:2007
Committed to Excellence

**For more information:**
**Pulkit Kapoor** +91 70425 55388
pulkitk@eigroup.in
**www.transportindiaexpo.com**

# बैटरी फैक्ट्री के अंदर लैब का होना अनिवार्य है

बैटरी फैक्ट्री के अंदर लैब का होना क्यों अनिवार्य है?

दोस्तों जैसा कि हम सभी लोग जानते हैं किसी भी वस्तु को बनाने के लिए उसकी एक मानक विधि पर काम करना आवश्यक होता है। यदि हमें एक ही जैसा प्रोडक्ट बार-बार चाहिए तो उसको बनाने की विधि के लिए प्रोसेस कंट्रोल होना बहुत आवश्यक है जिसको कंट्रोल करने के लिए हमारे पास टेस्टिंग लैबोरेट्रीज जरूर होनी चाहिए। प्लेट के बनते समय प्री प्रोडक्शन लैब का होना आवश्यक है, उसी प्रकार बैटरी के बनते समय post-production लैब का होना अनिवार्य है। यहां प्री प्रोडक्शन लैब से मेरा तात्पर्य बैटरी बैटरी प्लेट के अंदर होने वाले सभी बदलाव को मापना है यानी फ्री लेड ऑक्साइड में कितने थे, पेस्ट बनने के बाद कितने फ्री लेड हैं व cured प्लेट के अंदर कितने फ्री लेड ऑक्साइड में बाकी है, जो तेजाब हमने इस्तेमाल किया है उसके अंदर आयरन की मात्रा अधिक तो नहीं है, जो पानी हम इस्तेमाल कर रहे है उसकी hardness अधिक तो नहीं है यह सभी वस्तु जांच का विषय है। इसी प्रकार post-production लैब में बैटरी के कैरेक्टर स्टिक्स की निगरानी की जाती है चार्जिंग और डिसचार्जिंग दोनों के ही दौरान बैटरी के OCV व CCV को

जांचना आवश्यक होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि जिस करैक्टर स्टिक पर बैटरी डिस्चार्ज हुई है। वह चार्ज हुई है वह दोनों ही हर एक प्रोसेस में बराबर रहे तभी हमारा प्रोडक्ट एक जैसा बन पाएगा। साथी किए गए सारे प्रयोगों का एक लॉग बुक भी मेंटेन करें जिससे समय के साथ आपके पास आप ही की आरएंडी रिपोर्ट भी होगी। आशा करता हूं यह विषय आपको पसंद आया होगा अगले अंक में किसी और जानकारी के साथ पूरे मिलेंगे।

***गौरव शर्मा, बैटरी स्कूल***

# आशा के प्रति आकर्षित होना ही जीवन है

आशा और निराशा दो ऐसे विपरार्थक शब्द है जो जीवन की दिशा और दशा तय करती है ।जहां आशावान व्यक्ति के लिए जी वन सरस और सुंदर है, वही निराश से घिरे व्यक्ति के लिए जीवन बेकार और बेमतलब है। आशा हौसला, हिम्मत और मजबूती देता है, तो निराश,व्यक्ति को डरपोक, दब्बू और असफल बना देता है। आशावान व्यक्ति धरती पर हर तरफ जीवन ढूंढता है तो निराशा से व्यक्ति धरती पर हर तरफ दुख तकलीफ और मृत्यु देखता है।

आशा अमृत है तो निराशा विष। निराशा से घिरे व्यक्ति अपने चारों तरफ नकारात्मकता का ऐसा जाल बुनता है जिससे जीवन का कोई अर्थ ही नही रह जाता। किंकर्तव्यविमूढ़ होकर यूं ही पूरा जीवन बीता देता है। जीवन में मिलनेवाली असफलता एवं दुख का श्रेय दूसरों को देकर, खुद को श्रेष्ठ साबित करता है, मगर असफलता तथा दुख से बाहर निकलने की कोशिश ही नही करता है। निराशा का भाव व्यक्ति के लिए इतना खतरनाक होता है कि व्यक्ति अवसाद को शिकार हो जाता है, अत्महत्या तक की बातें व्यक्ति के दिमाग में चलने लगती है। वही आशावान व्यक्ति के लिए जीवन में कोई मुश्किल नही होती है।चाहे वो व्यक्ति जिस भी परिस्थिति में रहे, जिस भी हाल में रहे, खुश रहने का तरीका ढूढ ही लेता है।संघर्ष करके वो हर चीज हासिल कर लेता है जिसका सपना व्यक्ति जीवन में देखता है। हमारे समाज में उदाहरण की कभी नही है जिसमें व्यक्ति अपनी आशावान सोच की वजह से समाज के लिए उदाहरण बन गया है। आशा व्यक्ति को अर्श पर पहुंचाता है तो निराशा फर्श पर।आशावान व्यक्ति हर मुश्किल से लड़कर जीत हासिल करता है वही निराशावान व्यक्ति लड़ने से पहले ही हार जाता है।

*सुनीता कुमारी*
*पूर्णियां बिहार*

मैं करीब सात साल की थी, उस समय मैंने एक हिंदी फिल्म देखी थी जिसका नाम तो मुझे याद नहीं है, मगर उस कहानी ने मुझे जीवन में हमेशा के लिए आशावाद बना दिया। उस फिल्म की कहानी से मुझे इतनी प्रेरणा मिली कि मैं हमेशा के लिए आशावान प्रवृति की बन गई। जीवन में मिलनेवाले दुख और संघर्ष से दुखी तो होती हूँ मगर निराश नही। आज भी वह फिल्म मेरे जेहन में जिंदा है। फिल्म की कहानी कुछ इस तरह थी फिल्म में एक अविवाहित लड़की थी,जो निराश थी जीवन के प्रति उसका कोई मोह ही नही था जीवन से लगाव ही नही था।वह अस्पताल में भर्ती थी हृदय की बीमारी से पीड़ित थी।उसके हृदय के तीन वाल्व खराब हो चुके थे एक वॉल काम कर रहा था डॉक्टरों ने कह दिया था कि, वह ज्यादा दिन जीवित नहीं रह सकेगी। जिस अस्पताल में वह लड़की इलाज के लिए भर्ती थी, उसी अस्पताल में एक नया हृदय का डॉक्टर अस्पताल में आया। उस लड़की का इलाज उस डॉक्टर के माध्यम से होने लगा। लड़की को वह डॉक्टर बहुत बहुत अच्छा लगता था। डॉक्टर के व्यवहार से लड़की इतनी खुश रहती थी कि धीरे-धीरे डॉक्टर से प्रेम करने लगी। प्रेम, खुशी और आशा ने उसमें इतना हौसला भर दिया कि वह जिंदगी की तरफ लौटने लगी।

धीरे-धीरे करके उसकी बीमारी ठीक होने लगी। उसके हृदय के वाल्व ठीक होने लगे । उसके स्वास्थ्य में सुधार देखकर डॉक्टर भी आश्चर्यचकित थे। इसे डॉक्टर चमत्कार ही मान रहे थे। धीरे-धीरे लड़की पूरी तरह से स्वस्थ होने के कगार पर थी। फिर एक दिन लड़की पता चला कि जिससे वह प्रेम करती है वह शादीशुदा है। लड़की फिर से निराश हो गई, अंदर से टुट गई। डॉक्टर के शादीशुदा होने से उसे इतना सदमा लगा निराशा की गर्त में ऐसे गिरी कि जिंदगी से हार गई, उसकी मृत्यु हो गई।

कहानी को देखने के बाद मैं अंदर तक हिल गई कि किस तरह अगर आदमी आशावान हो तो मौत के मुंह से भी लौट सकता है और अगर निराश के घेरे में गिरा हो तो उसे जिंदगी भी नहीं बचा सकती है। इसलिए हमेशा जीवन के प्रति हर किसी को आशावाद रहना चाहिए।

जीवन के प्रति अपनी सोच को समय-समय पर बदलते रहना चाहिए ।समय के साथ चलना चाहिए। समय के अनुसार खुद को ढालना चाहिए और समय की मांग के अनुसार अपने आप को अपडेट करते रहना चाहिए। "मैं दुनिया के सबसे सुंदर हूँ, सबसे समझदार हूँ, सबसे अच्छा इंसान हूँ , मुझमें कोई कमी नहीं है, मैं अपने आप में पूरा हूँ और मैं सब कुछ कर सकता हूँ ।" यही सोच हर किसी को अपनी जिंदगी में रखनी चाहिए तभी जिंदगी बहुत खूबसूरत हो जाएगी और जीवन सुखमय में हो जाएगा क्योंकि आप चाहे जितने भी गुणी हो, सुंदर हो, सेवा भाव रखनेवाले हो,हमेशा हर किसी की मदद करते हो, मानवता में विश्वास करते हो ,फिर भी आपको नापसंद करनेवाले लोग आपमें कमी ढूंढ ही लेगे,उनकी नकारात्मक बातों को सुनकर निश्चित ही आप निराश हो जाऐगे।इसलिए अपनेआप को आप अपने नजरिए से देखिए।

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि निराशा के बादलों को हटाने का एक सरल उपाय यह है कि ,जीवन में जब कभी आपके मन पर निराशा की छाया पड़ने लगे, तो तुरंत उन क्षणों को याद करने की कोशिश कीजिए, जब आपने कोई बहुत बड़ा या बहुत अच्छा काम किया था, किस तरह उस समय लोगों ने आपकी प्रशंसा की थी और आपको किसी नायक की तरह पेश किया था फिर से कुछ वैसा ही करने की कोशिश कीजिए। अपनेआप को खुश और स्वस्थ्य रखने की जिम्मेदारी खुद की होती है। खुश रहें , स्वस्थ रहें , हर चीज के प्रति आशावान रहेंयही जीवन है।

# विवाह विच्छेद

वि वाह-विच्छेद या तलाक़, विवाह या वैवाहिक मिलन को समाप्त करने का तरीक़ा है।

यह एक ऐसा विधान है जो समाज द्वारा स्वीकृत है तथा वैवाहिक असफलता से सम्बन्धित है। 'तलाक' को पारिवारिक विघटन का सूचक भी माना जाता है क्योंकि यह पारिवारिक संगठन में दरार का कारण होता है।

तलाक आमतौर पर विवाह के कानूनी कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को रद्द या पुनर्गठित करता है।

वर्तमान समय में स्त्रियों को पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त हैं, किन्तु उन्हें अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं था। अपने अधिकारों को जानने के बाद वो दाम्पत्य जीवन की कटुताओं और यातनाओं से मुक्ति पाने के लिए तलाक का सहारा लेना सीख चुकी हैं। जबकि इसका एक मध्यम मार्ग समझौता भी कई जगह पर होता है। औसत रूप से कई पुरुष भी समझौते का जीवन जीने पर विवश हैं।

वर्तमान समय में देश में शिक्षा का प्रचार एवं प्रसार बड़ी ही तीव्र गति से हुआ है। जिसके कारण स्त्री एवं पुरुषों के मन में और मस्तिष्क में परिपक्वता आयी है। प्राचीन समय से शोषित स्त्री अब स्वावलंबन का सहारा लेकर शांत और एकांत जीवन जीना ज्यादा बेहतर समझती हैं।

हिन्दू समाज में विवाह को एक धार्मिक कृत्य माना जाता है और इसका अपना एक विशेष महत्व है। जिसके कारण इसे तोड़ना एक गलत एवं दुष्कर कार्य माना जाता है। लेकिन आज सब के मन में विवाह के प्रति दृढ़ता नहीं रह गयी है। पति-पत्नी में जरा सा विवाद होने पर लोग तलाक का रास्ता अपना लेते हैं। इसमें पाश्चात्य सभ्यता का विशेष असर है। तलाक या विच्छेद बाहर के देशों मे आम बात है।

भारत सरकार द्वारा तलाक के लिए अनेकों अधिनियम हैं जिनके माध्यम से पति-पत्नी आपस में तलाक ले सकते हैं। इस प्रकार कानूनी सहारा पाकर तलाक की सम्भावनाओं में वृद्धि हुई है। इसने

**राखी अनामिका**

मध्यम मार्ग की संभावना को समाप्त कर दिया है लगभग।

जहाँ बड़े बुजुर्गों की बात का मान रखने के लिए या फिर सामाजिक ढांचा को सही रखने के लिए अथवा पारिवारिक मर्यादा को बचाने के लिये रिश्ते निभा लिये जाते हैं वहाँ पूर्ण जीवन असंतुष्ट होकर मनुष्य गुजार लेता है लेकिन जी नही पाता, यह भी सत्य है।

कई जगह शारीरिक संबंधों की असंतुष्टि तो कहीं आर्थिक तंगी विच्छेद का कारण बनती है। पुरुषों द्वारा महिलाओं पर अनैतिक अत्याचार किया जाता है, जिसे पहले की तरह अब महिलाएं नहीं झेलती और तलाक का रास्ता अपना लेती हैं।

स्त्रियाँ पुरुषों की भांति बाहर निकलकर कार्य करने लगी हैं, जिसके कारण वे आत्मनिर्भर हो गयी है। अतः आपसी मतभेद के कारण तलाक आसानी से ले लेती हैं क्योंकि पुराने समय की तरह वो किसी पर निर्भर नहीं, उनकी जीविका चलाने का अब प्रश्न नहीं उठता।

सबसे खराब स्थिति तलाक के बाद होती है। परिवार का साथ, उनका प्यार और अन्य सहूलियतें भी छूट जाती हैं, साथ रह जाता है तो बस अकेलापन और मायूसी। इसलिए यह प्रयास हो कि दोनो पक्ष अपने संबंधों पर पुनः विचार करें।

लेकिन तलाक जिंदगी का अंत नहीं है। थोड़ी सी समझदारी और सूझ-बूझ दिखाकर अलगाव के बाद भी जीवन की नई शुरुआत की जा सकती है। अलग होने के बाद उसकी कमी तो खलती ही है। कभी-कभी उसके साथ और प्यार का अहसास भी बैचेन कर सकता है। ऐसी स्थिति में खुद पर कंट्रोल रखना चाहिए और बिना सोचे-समझे किसी से भी दोस्ती करने की गलती नहीं करना चाहिए वरना जीवन और अधिक कष्टमय हो सकता है। अकेलेपन और तन्हाई का गलत फायदा उठाने की लोग अक्सर कोशिश करते हैं अतः सावधान रहना अत्यंत आवश्यक होना चाहिए।

अनैतिक संबंध, बेरोजगारी, रोग, पागलपन, अत्याचार, शोषण से मुक्ति देता है तलाक परन्तु यह समाधान नहीं है रिश्तों का। रिश्तों की सुंदरता प्रेम पर टिकी होती है अतः हर समस्या को मिलकर सुलझाएं और अपने दामपत्य जीवन में प्रेम की प्रगाढ़ता लाने का हर संभव प्रयास करें।

# कोरोना से

एक रोज हो गई मुलाकात कोरोना से
आलोचक नहीं युवा नेत्री नहीं ना ही किसी पार्टी विशेष की सलाहकार हूं,
कोशिश कर रही हूं भाव अपने व्यक्त करने की हां एक छोटी सी कलमकार हूं।
दर्द बयां कर दूं हिंदुस्तान का, हां ऐसा ही मैं किरदार हूं॥
दासतां सुनाती हूं एक अंधेरी शाम की
जिस रोज मेरी मुलाकात कोरोना से हो गयी,
अनचाहे में या अनजाने में ही सही यूं ही थोड़ी बात हो गयी॥
पूछती मैं इससे पूर्व ही कुछ अकड़ कर वह बोल पड़ा-
क्यों घूम रही हो अब तक तुम रात अंधेरी हो गयी,
सवाल सुनकर थोड़ा सा मैं सकपका गयी,
थोड़ा सा घबराई थोड़ा सा डगमगा गयी॥
फिर मुस्कुराते हुए संक्षिप्त सा जवाब दिया
उसके ही सवालों पर मैंने भी सवाल किया
जब हिंदुस्तान की धरा में पग धर ही दिया तुमने,
नरसंहार इतना कर ही दिया तुमने।
तो अब क्यों इतना शर्माते हो दिन में मुंह छुपाए रहते,
शाम 11:00 बजे उपरांत आते हो।
बहुरूपिये हो क्या? जो हर रोज अलग वेश में आ जाते हो
और क्यों अपने अमानवीय कृत्यों पर इतराते हो?
वाकपटुता शायद वह भी बिना क्षण एक गवाएबोल पड़ा-
मैं तो आया देश दुश्मन से तो दुश्मनी ही तो निभाऊंगा,
काम है मेरा दशहत फैलाना तो दशहत ही फैलाऊंगा॥
जाने ली मैंने तो क्या जानें तो हर रोज जाती हैं,
न जाने कितनी ही कलियां खिले बिना ही मुरझा जाती हैं।
क्यों भूल रहे हो कितने ही युवा नशे की भेंट चढ़ जाते हैं,
बच गए जो नशे से भी, वह राजनीतिक भेट चढ. जाते हैं।
भूल कर मानवता का धर्म धार्मिक संघर्ष करवाते हैं।
ठीक है कह कर मैंने प्रश्न दूजा किया,
क्यों सालों बीत गए अभी तुम विद्यालयों में ही घूम रहे हो,
छोड़ के मंत्रियों की रैली और भंडारे को बच्चों व शिक्षकों को ही चूम रहे हो?
सुनने से पूर्व ही वह बोल पड़ा- मैं चुनावी चुनावी रैली में ना जाऊंगा,
मैं मंत्री नहीं जो अपना वादा भूल जाऊंगा।
एक रोज किया था वादा उनसे
कि भविष्य उनका संवारने हेतु नौनिहालों को चौपट कर जाऊंगा आंख कान ही
नहीं, संपूर्ण शरीर दिमाग सहित खोखला एक दिन कर जाऊंगा।
देदूं कैसे उनको धोखा मेरी पीढ़ियों को बढ़ाने का वही तो सशक्त आधार है,
थाली ताली शंख घंटा बजाकर हिंदुस्तान हिंदुस्तान में हुआ मेरा सत्कार है॥
शब्द सुनते ही मैं बोल पड़ी माना मेरा हिंदुस्तान संस्कारी है,
मेहमान नवाजी है नस नस में उसकी पर, बज रहे थे थाली ताली शंख घंटे
वह तुम्हारा नहीं योद्धाओं का सत्कार है,
नई स्फूर्ति उनमें भरने हेतु यह हिंदुस्तान का प्यार है।
चिल्लाते हुए आगे मैं बोली आखिर जाओगे कब तक तुम मेरी धरा से?
क्या तुम भी कंबल पाए हो?
जमे रहने के लिए यहां पर मोटी रकम तुम खाए हो।।
या बिक गए हो दारु मुर्गे में या विशाल जनमत पाए हो?

*माया नवीन जोशी*
*खटीमा, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड*

# वियोग

वक्त का पहिया यूँ पलटेगा कभी सोचा न था
दर्द दरिया बन जायेगा कभी सोचा न था।
उठती हुईं टीस को मिटायूं कैसे
कुछ समझ आता नहीं।
तन भी दर्द में डूबा है मन भी दर्द में डूबा है।

*अनिता श्रीवास्तव*
*गाजियाबाद*

नम हुए नेत्रों से बहती जब अश्रुधारा
छा जाता चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा।
ढोह रहा जिस्म तन और मन का दर्द लिए
सजाती थी बड़े जतन से जिस तन को
आज सुध ही नही उस तन की बन दर्द से लहू-लुहान है।

न दिल करता महफिल सजाने का
न किसी महफिल मे जाने का।
वक्त का पहिया यूँ पलटेगा कभी सोचा न था
दर्द दरिया बन जायेगा कभी सोचा न था।।

# नारी

नारी! तू एक है या अनेक है,
हर रूप में पर नेक है।
बेटी समान तू न्यारी है,
बहनों की जैसी प्यारी है।
जीवनसंगिनी है,पत्नी है,
तू माता है,तू जननी है।
ममता में मदर टेरेसा है,
तू शक्ति है, तू दुर्गा है।
पन्नाबाई सी शिल्पी है,
लक्ष्मीबाई सी योद्धा है।
तू आदि है तू अनन्त है,
गार्गी समान तू सन्त है।
चांदनी समान तू कोमल है,
ज्वाला समान प्रलयंकर है।
धैर्यवान है, तू लज्जावान है,
साहस का अक्षुण्य खजाना है।
नारी! तू एक है या अनेक है,
हर रूप में पर नेक है।

*सुरेशचन्द्र जोशी*
*नोयडा, उत्तर प्रदेश*

कविता, लघुकथा, कहानी, लेख आप भी भेज सकते हैं। संपादक मंडल अगर चयनित करते हैं तो बैटरी व्यापार में प्रकाशित होंगे। ई-मेल आईडी पर मेल करें: info@batterybusiness.in

# चुनाव सरगर्मियां

चुनाव आया, चुनाव आया.
राजनेताओं में सरगर्मियां लाया
ये देखो तो, आपस में,
सरगोशियाँ का तूफान लाया
रस्साकशी हो रही,
खिचम खिच्चा हो रही.
कौन किस दल में आयेगा..
हलचल सा मच जाएगा..
गली गली, मुहल्ले मुहल्ले,
वोट मांगने जायेंगे..
करेंगे अनेकानेक वादें,
बाद में झांसे दे जायेंगे.
कोई कोई तो मायावी,
नोटों के जाल बिछायेंगे..
देंगे बहुत से लारे लप्पे,
बाद में चाहे, मुकर जायेंगे..
आंखें खोलो, भोली भाली जनता,
भलीभाँति जान लो..
अभी वक्त है, नेताओं को पहचान लो..
अपने हक़ का इस्तेमाल करना,
सोच समझ कर मतदान करना।

*बीना नौडियाल खंडूरी, देहरादून (उत्तराखंड)*

# बेटी बनाम बहू

" अरे कब आई तु माइके से ? और सब लोग कैसे हैं घर में ?वहां का मौसम कैसा था ? यहाँ तो बहुत ठंढ थी यार उन दिनो ।"

" दी ..दी ... रूको तो जरा। सांस तो ले लो " कह कर फोन की दूसरी तरफ से लता की जोर -जोर से हंसने की आवाज आने लगी। दरअसल दीया और लता एक ही शहर की रहने वाली थी। हाँलाकि दोनों का ही मायका अलग-अलग मुहल्लों में अवस्थित है।अब दोनों ही अपने-अपने पति के कार्यालय के कारण अपने माइके से बहुत दूर एक शहर में रहती हैं। जब कभी मायके की याद आती थी तो दोनों ही फोन पर बतिया लेती थीं और वहांकी याद ताजा करने के साथ-साथ की खबर ले लेती हैं ।

कोरोना की दूसरी लहर में लता के परिवार को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। पहले तो लता की छोटी बहन जो किसी और शहर में थी उसका पति अल्पायु में एक छोटी बेटी और पत्नी को छोड़ कोरोना का शिकार हो दिवंगत हो गया। लता किसी तरह उस शहर में पहुंची क्योंकि उसकी बहन भी कोरोना से ग्रस्त हो अस्पताल में दाखिल थी और उसकी छोटी बेटी जो कोरोना पीड़ित थी और घर में अकेली थी तो उसका देख- भाल करना था। इधर वह वहां पहुंची उधर मायके में उसके एकमात्र भाई को हृदयाघात हुआ और आनन् - फानन में उसकी भी मृत्यु हो गई। अभी अस्पताल से उसका पार्थिव शरीर निकला भी नहीं था कि उसकी भावज के मायके जो किसी और शहर/ राज्य में था से फोन आया कि उसका भाई अभी-अभी कोरोना से कारण काल ग्रसित हो गया है ।इन सभी की हालत बेहद् खराब हो गई। कोई किसी की कोई भी सहायता चाह कर भी नहीं कर पा रहा था क्योंकि एक तो शहरों की दूरी और दूसरा कोरोना के चलते यातायात/ आवागमन में पाबंदी। सारे ही अपनी - अपनी जगह में तड़प कर रह गए।

जब कोरोना का वेग कुछ कम हुआ तो इन्होंने मायके में इकठ्ठे होने की सोचा और उसी सिलसिले में मायके गई थी ।लता और दीया के बीच उम्र का काफी अंतर था और व्याह से पहले तो शायद इन दोनों के बीच कभी बात भी नहीं हुई थी पर अब जब फेसबुक के जरिए लता को दीया के बारे पता चला तो लता ने फ्रेंड्स रिक्वेस्ट भेज कर दिया से संपर्क साधा। इस शहर में भी इनका आपस में मिलना शायद ही हुआ है पर फोन से बात कर दोनो को खूब संबल मिलता है और लगता है कि उनका कोई एक सहारा भी है इस शहर में।

"दी.....आप सुन तो रहीं हैं ना ? "

उधर से लता की खनखनाती आवाज गूंजी।

"हाँ रे ... बाबा कैसे नहीं सुनूंगी। आगे बता"

"दी ....वह आपसे एक सलाह लेनी थी"

"अरे तो इसमें पूछने की क्या बात। पूछ"

" दी ....हमलोग सोच रहे थे कि छोटू (यानि उसकी छोटी बहन जो अभी - अभी विधवा हुई थी)"

"हां ....हां ....बोल ....बोल.....क्या बात है ? छोटू के बारे में क्या ?"

"दी .....हमलोग सोच रहे थे कि छोटू को फिर से शादी के लिए राजी करें। कैसा रहेगा?"

"अरे वाह ! यह तो बहुत अच्छी बात है । इतनी अच्छी सोच है। बेचारी की उम्र ही क्या है। जरा गम़ से उबर जाए वह तो जरूर कोशिश करनी चाहिए "

कहते-कहते दीया की आँखो के सामने छोटू का सौम्य-सलोना मुखड़ा तैर गया और फिर अचानक दीया के दिमाग में त्वरित बिजली सा कुछ कौंधा और वह पूछ बैठी "और विभा (उसकी भावज जो विधवा हुई थी उसी समय )? उसके बारे में क्या सोचा है? "

"उसके बारे में क्या सोचना है?" उसकी झुंझलाती सी आवाज गुंजी

"नहीं ....मैंने सोचा कि शायद छोटू के लिए इतना क्रान्तिकारी कदम सोच रहे हो तुम लोग तो शायद उसके लिए भी कुछ सोच रहे होगे ।"

"दी....अब तुम्हीं बताओ छोटू तो अपनी है। उसका हमलोगों के बिना है कौन? अब हमलोग ना सोचे तो और कौन सोचेगा? रही बात भाभी की तो ....इस बारे में हमलोग क्या कह सकते हैं ?" कह कर उसने एक तरह से अपनी नाराजगी जताई फिर कहने लगी " दी.....आपसे फिर बाद में बात करूँगी फिलहाल कई सारे काम हैं मुझे निपटाने " और उसने फोन बंद कर दिया ।

दीया भी समझ गई कि वह इस बारे में बात नहीं करना चाहती है । आखिरकार बहन/बेटी और बहु का अंतर यहाँभी सिर उठा कर खड़ा हो गया। दीया सोच में पड़ गई कि आखिर हमारा तथाकथित समाज कितना भी क्रान्तिकारी और विकास की बात कर ले पर जहाँ बहु और बहन / बेटी की समानता की बात आती है वहीं यह दिमाग रूढ़िवादी हो जाता है ।

*संध्या नन्दी*
*नई दिल्ली*

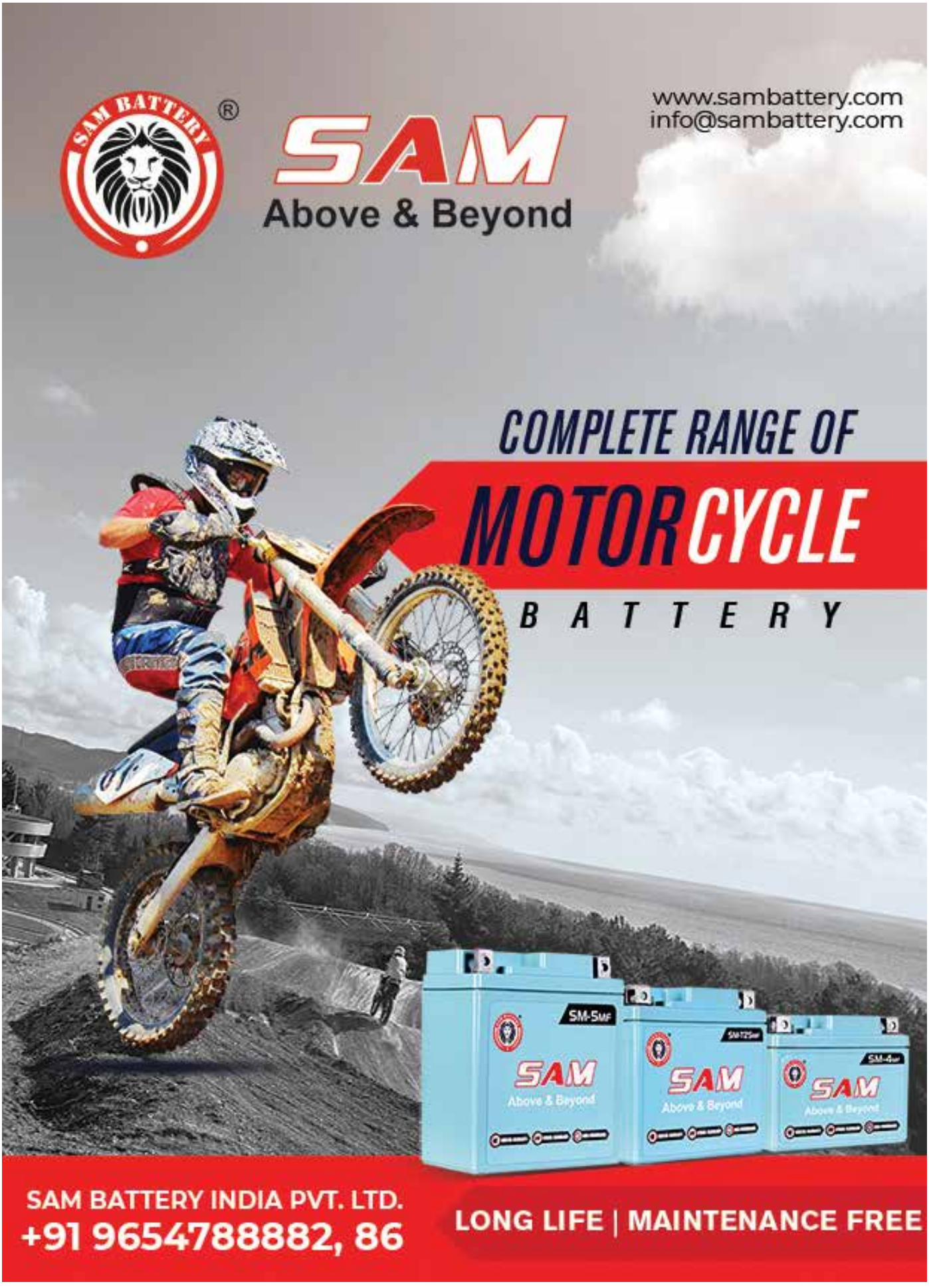

SAM BATTERY
®
SAM
Above & Beyond
www.sambattery.com
info@sambattery.com
COMPLETE RANGE OF
MOTOR CYCLE
BATTERY
SM-5MF
SAM
Above & Beyond
SAM
Above & Beyond
SM-4MF
SAM
SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86
LONG LIFE | MAINTENANCE FREE

# समझौता

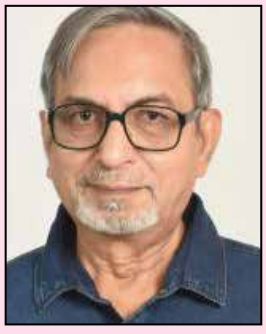

*सुभाष चन्द्रा*
*गोमती नगर, लखनऊ*

समझौता कर लिया है मैंने
दो गज ज़मीन से
दो वक्त की रोटियों से
दो मीठे बोल हमसफ़र के
समझौता कर लिया है मैंने
चश्मे की रोशनी से
कानों की मशीन से
घुटने के दर्द से
समझौता कर लिया है मैंने
आँखों मे गायब नींद से
शरीर के जख्मों से
दवा की गोलियों से
समझौता कर लिया है मैंने
बच्चों के तिरस्कार से
रिस्तेदारों के बेरूखी से
अजनबियों के स्नेह से
समझौता कर लिया है मैंने
गली के आवारा कुत्तों से
मोहल्ले के हुड़दंगी बच्चों से
सड़क से गुजरते राहगीरों से
समझौता कर लिया है मैंने
फटी हुई अपनी कमीज से
पाँव कि टूटी चप्पल से
बाहर पड़ी खाट से
समझौता कर लिया है मैंने
गर्मी की तपती दुपहरिया से
बारिश की उमस भरी शाम से
जाड़ों की रात,सर्द हवाओं से
समझौता कर लिया है मैंने
गुज़रे हुए वक्त से
वर्तमान के हर पल से
आने वाले कल से
समझौता कर लिया है मैंने
ख्वाबों के सफ़र से
इच्छाओं के दमन से
बुझते हुए दीपक लौ से
समझौता कर लिया है मैंने
नेह के आलिंगन से
प्यार के व्यापार से
स्नेह के बाजार से ।

# वक्त

जो ना रखता वक्त का ख्याल,
करता जो इससे है खिलवाड़!
बता देता यह वक्त भी एकदिन,
औकात नहीं है तेरी कोई तु देख!

वक्त का महत्व जो ना समझता,
मार वो वक्त की हरपल खाता!
पछताता वह मानव जीवन भर,
दिखा देता औकात जब यह वक्त!

करले कोई काम बहाना ना कर,
अपनी किस्मत पर तु रोया ना कर!
हरपल अगर तु सोता रह जायेगा,
तो बता कैसे कुछ हासिल कर पायेगा!

समझ ले तु वक्त की महिमा,
लक्ष्य निर्धारित कर सजा तु सपना!
हौसला गर है तुझमें बढ़ा कदम,
मंजिल होगी पास तु सब्र तो कर!

संघर्ष कर करके मन में संतोष,
वक्त से पहले मिलता है नहीं कुछ!
बढ़ना है आगे तो खुद से वादा कर,
भाग्य भरोसे ना कभी तु बैठा कर!

होगा उजाला जीवन कर्मठ तो बन,
सारा जग होगा तेरा हौसला तो रख!
चलकर वक्त पर वक्त की कदर कर,
करके तु तन-मन समर्पित कर्मकर!
इतिहास तु रचेगा एकदिन पाकर लक्ष्य ||

*अंजली रॉय*
*समस्तीपुर, बिहार*

# मधुमास बसंत

*डॉ. भगवान सहाय मीना*
*बाड़ा पदमपुरा जयपुर राजस्थान*

धरा मांग सिंदूर सजाकर,
झिलमिल करती आई भोर।
खग कलरव भ्रमर गुंजन,
चहुं दिस नाच रहे वन मोर।

सुगंध शीतल मन्द समीर,
बहती मलयाचल की ओर।
पहने प्रकृति पट पीत पराग,
पुष्पित पल्लवित मही छौर।

रवि आहट से छिपी यामिनी,
चारूं चंचल चंद्रिका घोर।
मुस्काती उषा गज गामिनी,
कंचन किरण केसर कुसुम पोर।

महकें मेघ मल्लिका रूपसी,
मकरंद रवि रश्मियां चहुंओर।
मदहोश मचलती मतवाली,
किरणें नभ भाल पर करती शोर।

सुरभित गुलशन बाग बगीचे,
कोयल कूके कुसुमाकर का जोर।
नवयौवना सरसों अलौकिक,
गैंहू बाली खड़ी विवाह मंडप पोर।

मनमोहित वासंतिक मधुमास,
नीलाभ मनभावन प्रकृति में शोर।
कृषकहिय प्रफुल्लित आनन्द मय,
अभिसारित तरु रसाल पर भौंर।

शुभ मधुमास बसंत की लावण्यता
नीलाभ अलौकिक प्रकृति में जोर।
वसुधाधर मुस्कान सजीली अरुण,
सुरभित दिग्दिगंत मधु अभिनंदन का शोर।

## नये सदस्य

36. **Kirti sheth**
Shwet International Trading Company
41, Mani Bhavan, 3rd Floor
19 Pathak Wadi Lohar Chawl Ke Pass, Mumbai-400002
Mob. : + 91 9820074080

37. **Sandeep Gupta**
Britex Battery
Ghausabad, Near Prakash Petrol Pump, Varanasi
Mob.: 9044105104

38. **Ajay Sangwan**
**Janta Battery House**
Jhojhu Kalan
Mob. : 8168611621

39. **Amit Kumar**
New Amit Battery Center
No.2, Kali Sthan ke Samne
Mohanpur, Jamalpur, Munger
Mob. : 9234128350

40. **Yogesh Gole**
Vinayak Automotive & Lubricant
Barwani, M.P.-451551
Mob. : 8804419999


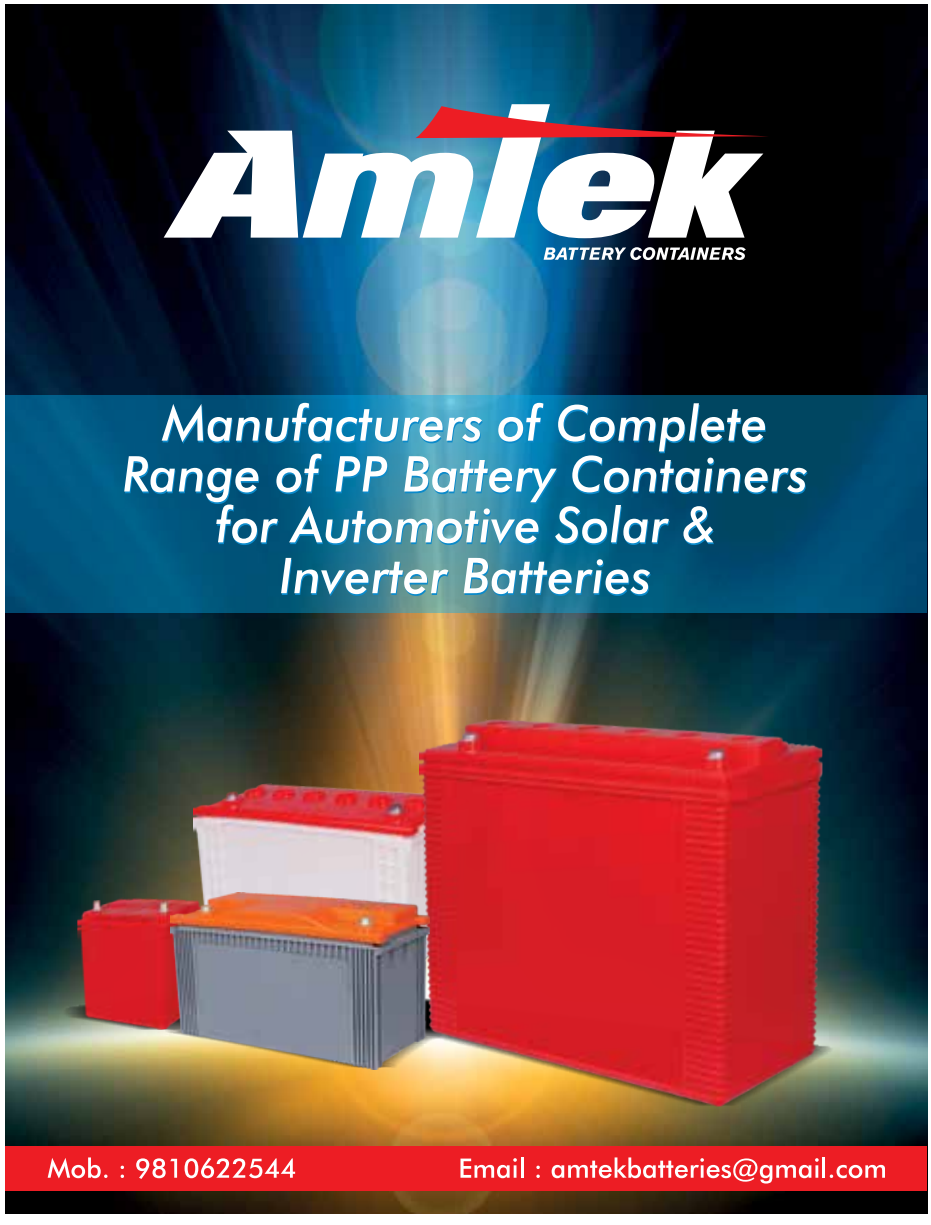




www.batterybusiness.in

बैटरी व्यापार
Battery Business
ऑनलाइन मासिक

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

**सदस्यता प्रपत्र**

फोटो

नाम _____

पता _____

पता _____ फोन _____

मोबाइल _____ ई-मेल _____

दिनांक _____ हस्ताक्षर _____

**विज्ञापन दर**

| | |
|---|---|
| पिछला आवरण | 5000/- रुपये |
| प्रथम आवरण के पीछे | 4000/- रुपये |
| पिछले आवरण के पीछे | 4000/- रुपये |
| पूरा पृष्ठ 3000/- रुपये | आधा पृष्ठ 2000/- रुपये |
| चौथाई पृष्ठ 1500/- रुपये | न्यूनतम 1000/- रुपये |

**सदस्यता हेतु अनुदान राशि**

एक वर्ष : 1200/- रुपये दो वर्ष : 1800/- रुपये
पांच वर्ष : 4000/- रुपये आजीवन : 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld" के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. **9582593779**

K-SUN™

AUTOMOTIVE BATTERY
SOLAR BATTERY
INVERTER BATTERY

# ज्यादा पावर! ज्यादा बैकअप!

LONG LIFE
ECO FRIENDLY
LOW MAINTENANCE

## KESHAV BATTERIES

Near Indian Gas Plant, Bichwal, Bikaner Rajasthan-334001
Mob.: +91 95090 94217

staxxa® solar

Toll Free : 1800-891-3910

# GO SOLAR WITH
# STAXXA SOLAR

## HIGH POWER OUTPUT
Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

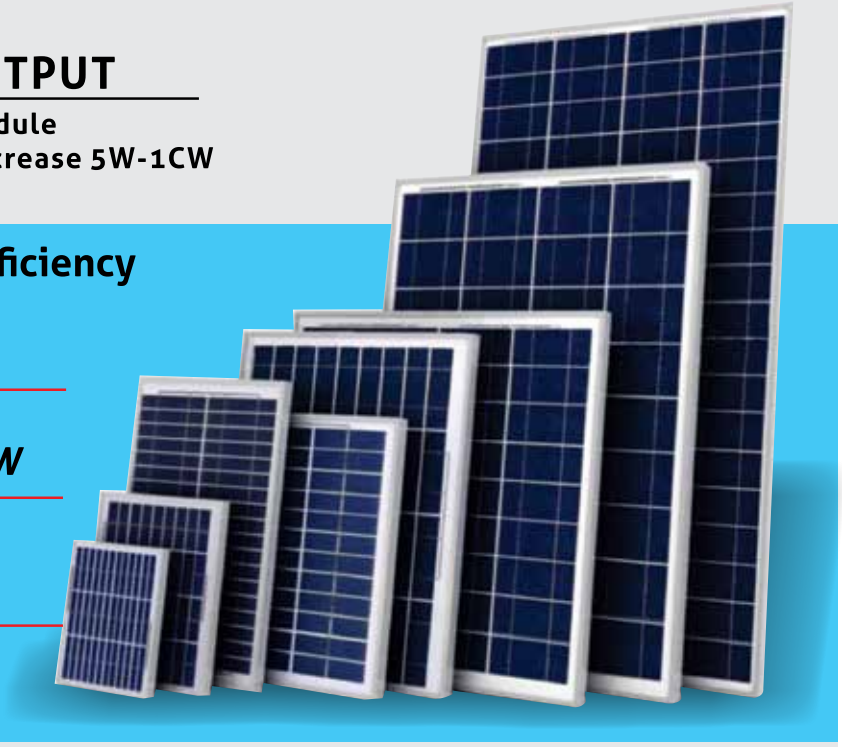

**Complete Range of High Efficiency Solar Panels available**

**Models**

***12V Poly Series :***
***40W, 50W, 75W, 100W, 160W***

***24V Poly Series :***
***335W, 350W***

***Monoperc 24V Series :***
***400W***

## SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN
The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

## IP67 RATED JUNCTION BOX
IP67
The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com